ANGEL'S PUBLIC SCHOOL

Strive for Perfection

SAMPLE PAPER

PERIODIC TEST – I SESSION 2024 – 25

CLASS – X

TIME : 1.5 HRS SUBJECT : HINDI COURSE – A CODE – 002 M.M:40

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में **4** खंड हैं ।
- दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (5×1=5)

अपनी सभ्यता का जब में अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से सम्पन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मज़दूरों की तरह ही हैं जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है।

यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे। जो लोग काम के अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

(i) पहले वर्ग के लोग काम को किस रूप में देखते हैं?

(क) समाज सेवा के रूप में
(ख) कर्त्तव्य भावना के रूप में
(ग) आनंद प्राप्ति के साधन के रूप में
(घ) धन प्राप्ति के साधन के रूप में

(ii) दूसरे वर्ग के लोग धन क्यों कमाना चाहते हैं

(क) क्योंकि यही उनका एकमात्र उद्देश्य होता है
(ख) क्योंकि धन से ही इच्छाओं की पूर्ति होती है
(ग) क्योंकि वे दिनभर की थकान मिटा सकें
(घ) क्योंकि वे अपने काम से अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें

(iii) काम करना किनके लिए घृणित है?

(क) जो दैनिक जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं
(ख) जो धन और काम को समान नहीं मानते हैं
(ग) जो काम की तुलना में धन को प्राथमिकता देते हैं
(घ) जो धन की तुलना में काम को प्राथमिकता देते हैं

(iv) दूसरे वर्ग के लोगों के विषय में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(क) वे काम में अनुरक्त रहते हैं
(ख) वे काम के प्रति समर्पित होते हैं
(ग) वे वस्तुओं को रूप देने में आनंद का अनुभव करते हैं
(घ) वे काम से छुटकारा पाना चाहते हैं

(v) पहले वर्ग के लोगों के विषय में कौन-सा / कौन-से कथन सही हैं-
i. जो काम को केवल धन अर्जित करने के रूप में देखते हैं
ii. जो काम को घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं
iii. जो काम को आनंद के रूप में देखते हैं
iv.जो काम को अधिक महत्व नहीं देते
क) कथन i, ii व iii सही हैं ख) कथन ii सही है
ग) कथन ii, iii व iv सही हैं घ) कथन i, ii व iv सही है

(2) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के उतर दीजिए ।

काव्यांश 1

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।

1. किसके मन की बात मन में रह गई और क्यों?
2. गोपियाँ क्या व्यथा सह रही थीं और किसके बल पर सह रही थीं?
3. गोपियों की विरहाग्नि और अधिक क्यों बढ़ गई?
4. 'धार बही' का क्या आशय है?
5. गोपियाँ धीरज धारण क्यों नहीं कर पा रहीं?

खंण्ड – ख

(2) वाक्य भेद पर निशान लगाओ :– **(3)**

(क) मै अपना शेष जीवन हरिद्वार जाकर विताऊँगी वाक्य में कौन सा भेंद हैः–
(1) सरल वाक्य (2) संयुक्त वाक्य (3) मित्र वाक्य

(ख) जैसे ही मैं घर आया वैसे ही खाने बैठ गया ।
इसे सरल वाक्य में बदलो ।
(1) मैं घर आया और खाने बैठ गया ।
(2) घर आते ही मैं खाने बैठ गया ।
(3) ज्यों ही घर आया तो खाने बैठ गया ।

(ग) सभी विद्यार्थी कवि सम्मेलन में समय से पहुँचे और शांति से बैठे रहे । कौन सा वाक्य है ।
(1) सरल वाक्य (2) संयुक्त वाक्य (मित्र वाक्य में बदलो)

(घ) संध्या के पाँच बजे और घूमने चला गया । (मिश्र वाक्य बदलो) **(5)**

(4) (क) निम्नलिखित वाक्यों में अलंकार छाटिए :– अलंकार का तात्पर्य है (3)
(1) सौदंर्य (2) आभूषण (3) सौदर्य – वर्द्धक तत्व

(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार ढूँढो :–
(1) ज़रा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो ।
(2) तरनि तनूजा तछ तमाल तरूवर बहु छाए ।

(3) रती – रती सोभा सब रती के सरीर की ।

(ग) निम्नलिखित में से मानवीकरण अलंकार नहीं है

(1) मेघमय आसमान से उतर आए सुंदर परी सी ।

(2) आए महंत वसंत

(3) यह देखिए अरविंद से शिशुवृंद कैसे हो रहे ।

खंण्ड – ग

(5) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :– **(3)**

(क) जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात देखा नहीं था । तब एक उनके मानस पटल पर उसका कौन सा चित्र रहा होगा, अपनी कल्पना से लिखिए ।

(ख) पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए ।

(6) निम्नलिखित काव्य से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दें :– (3)

(क) ''मरजादा न लही'' के माध्यम से कौन सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है ।

(ख) ''गुर चाँटी ज्यौं पागी'' कहकर गोपियाँ अपनी ओर कृष्ण की किस दशा बोध करा रही है।

(7) पूरक पुस्तक । **(3)**

''माता का अचँल'' पाठ के आधार पर भोलालाि के चरित्र की विशेषताएँ लिखो ।

अथवा

लेखक किस घटना से डरकर माँ के आँचल में आ दुबका और क्यो ?

खंण्ड – घ

(8) किसी एक विषय पर दिए गए बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखे :– **(6)**

(क) खेल और स्वास्था

स्ंकेत बिन्दु :– खेल का महत्व, खेल के साधन, खेल की आवश्यकता

(ख) करत – करत अभ्यास ते जड़मति होत सुजान ।

स्ंकेत बिंदु :– सूक्ति का अर्थ, निरंतर अभ्यास की महिमा, काव्य लेखन में अभ्यास की भूमिका ।

(ग) बीता – अवसर हाथ नही आता ।

संकेत बिंदु – समय लौटता नहीं, उचित समय का उचित लाभ लेना आवश्यक ।

(9) आपके मित्र का किसी से झगड़ा हो गया । आपको लगाता है कि गलती आपके मित्र की ही थी । अत : उसका मार्गदर्शन करते हुए पत्र लिखो । **(5)**

अथवा

सार्वजनिक पार्कों की समुचित सफाई न होने पर सफाई – कर्मचारियों की शिकायत करते हुए नगर निगम के स्वास्थय अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।

(10) अपने घरेूल फर्नीचर को बेचने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए । **(4)**